PRGI : APHIN/26/A3657

पेन पॉवर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष / सम्पुट: 1 | अंक: 46 संस्करण: विशाखापट्टणम | संपादक : गंट्यादा अप्पाराव दिनांक: 21 सितम्बर, 2026

वीआईआईटी को प्रशंसनीय प्रदर्शन सम्मान

अभियांत्रिकी शिक्षा में उत्कृष्टता को लिए मिला सम्मान, संस्थान की निरंतर प्रगति को मिली मान्यता

विशाखापट्टणम, पेन पॉवर
20 सितंबर

विज्ञान सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, स्वायच कों 18वें भारतीय अभियंता संस्थान उद्योग उत्कृष्टता सम्मेलन तथा 5वें भारतीय अभियंता संस्थान अभियांत्रिण शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार–2026 में अभियांत्रिकी महाविद्यालय एवं संस्थान वर्ग में प्रशंसनीय प्रदर्शन सम्मान से सम्मानित किया गया।

अभियांत्रिकी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता, नवाचार, शैक्षणिक विकास तथा संस्थागत प्रगति के लिए संस्थान द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों को मान्यता देते हुए यह सम्मान प्रदान किया गया।

सम्मान प्राप्त करते हुए वीआईआईटी के प्रतिनिधि।

> **यह सम्मान संस्थान के** सभी वर्गों की सामूहिक प्रतिबद्धता और समर्पण का परिणाम है।
> — प्रो. जे. सुधाकर, प्राचार्य

> यह सम्मान हमें गुणवत्ता, अनुसंधान और नवाचार के लिए नए प्रयास करने की प्रेरणा देगा।
> — प्रो. वी. मधुसूदन राव, कुलाध्यक्ष

संस्थान ने विद्यार्थियों में तकनीकी ज्ञान, अनुसंधान क्षमता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विभिन गतिविधियां संचालित की हैं।

क्यूआर कोड स्कैन कर पीजीआरएस आवेदन के समाधान पर दें प्रतिक्रिया

जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए क्यूआर कोड आधारित प्रतिक्रिया सुविधा

विशाखापट्टणम, पेन पॉवर
20 सितंबर

जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संचालित पीजीआरएस सेवा में क्यूआर कोड आधारित प्रतिक्रिया व्यवस्था उपलब्ध कराई गई हैं। जिला कलेक्टर एम. अभिषिक किशोर ने बताया कि इस सुविधा के माध्यम से नागरिक अपने आवेदन के समाधान के संबंध में सीधे अपनी प्रतिक्रिया दर्ज करा सकते हैं।

जिला कलेक्टर कार्यालय सहित विभिन्न सरकारी कार्यालयों, स्वर्ण गाम तथा स्वर्ण वाडीं में क्यूआर कोड उपलब्ध कराए गए हैं। नागरिक अपने मोवाइल फोन से इन कोइस को स्केन कर अपनी प्रतिक्रिया दर्ज कर सकते हैं।

Public Grievance Redressal System (PGRS)

अपनी प्रतिक्रिया दें बेहतर प्रशासन के लिए आपकी भागीदारी जरूरी हैं

PGRS FEEDBACK

> नागरिकों की प्रतिक्रिया से जनसमस्याओं के समाधान की गुणवत्ता में सुधार लाने में सहायता मिलेगी।
> —एम. अभिषिक किशोर, जिला कलेक्टर

रात में सो रही छात्राओं की चोटियां काटने से हड़कंप!

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में घटना से मचा हड़कंप, विधायक घंटा श्रीनिवास राव ने पहुंचकर ली जानकारी

विशाखापट्टणम, पेन पॉवर
20 सितंबर

विशाखापट्टणम जिले के भीमिली क्षेत्र स्थित कृष्णापुरम कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में रात के समय सो रही छात्राओं की चोटियां काटे जाने की घटना सामने आने से हड़कंप मच गया।

विद्यालय में नौवीं कक्षा की करीब दस छात्राओं की चोटियां काटे जाने की बात सामने आई हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद अधिकारिरीं ने जांच शुरू कर दी है।

भीमिली विधायक घंटा श्रीनिवास राव ने विद्यालय का दौरा कर प्रधानाचार्या से मुलाकात की और घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी पर भी जानकारी प्राप्त की गई हैं।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कृष्णापुरम (भीमिली)

विद्यालय का दौरा करते हुए विधायक घंटा श्रीनिवास राव।

उठ रहे हैं कई सवाल

- रात के समय बाहरी व्यकि केसे प्रवेश कर पाए?
- विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था में कमी तो नहीं?
- छात्राओं की चोटियां काटने के पीछे कोन था?
- जांच के बाद ही वास्वविक कारण सामने आएंगे।

गाजुवाका सीआई ने राउडीशीटरों को दी विशेष परामर्श

परिवार की जिम्मेदारियों को समझकर सम्मानजनक जीवन जीने की सलाह

गाजुवाका, पेन पॉवर
20 सितंबर

औद्योगिक क्षेत्र गाजुवाका थाना क्षेत्र में राउडीशीटरों की गतिविधियों पर पुलिस ने विशेष निगरानी वढ़ाई है। इसी क्रम में गाजुवाका थाना निरीक्षक सीएस. वासु नावइ ने राउडीशीटरों के लिए विशेष परामर्श बैठक आयोलित्त की।

सीआई ने राउडीशीटरों से व्यकिगत रूप से बावचीत की और उनके पारिवारिक हालात, रोजगार तथा वर्तमान परिस्थिवियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि परिवार की जिम्मेदारियों को समझते हुए **समाज** में सम्मानजनक जीवन जीने का प्रयास करें। विवादों, शराब सेवन और अन्य आपराधिक गतिविधियों से दूर रहने की सलाह दी।

राउडीशीटरों को परामर्श देते हुए गाजुवाका सीआई।

मुख्य बातें

- युवाओं को विवादों में शामिल करने से दूर रहें।
- शराब का सेवन कर अशाति न फैलाएं।
- पुलिस निगरानी को सकारायक अवसर के रूप में लें।
- किसी भी अपराध या विवाद के लिए उकसाने पर तुरंत पुलिस को जानकारी दें।

सीसीआरटी राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण के लिए मुसूरुमिल्ली के शिक्षक का चयन

जनजातीय कला एवं संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर परिचित कराने का अवसर

रामपचोडवरम, पेन पॉवर
20 सितंबर

पोलवरम जिले के मुस्रूक्मिली स्थित जीटीडबल्यूएचएस (बालक) विद्यालय में स्कूल अशिस्टेंटें (अंग्रेजी) के रूप में कार्यरत बंधम राजन्ना दोरा का सीसीआरटी, नई दिल्ली के राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण के लिए चयन हुआ हैं। आंध्र प्रदेश से चयनित 20 शिक्षकों में पोलवरम जिले से उनका अकेले चयन जिले के लिए गौरव की बात है।

प्रशिक्षण में शामिल विषय

- भारत की कला और संस्कृति
- परंपराएं और विरासत
- लोकवलाएं और जनजातीय संस्कृति
- शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण

राष्ट्रीय स्तर पर जनजातीय संस्कृति का परिवय

प्रशिक्षण के दौरान बंधम राजन्ना दोरा को आंध्र प्रदेश की जनजातीय परंपराओं, धिमसा नृत्य तथा स्थानीय कलाओं को अन्य राज्यों के शिक्षकों के समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को विद्यार्थियों तक पहुंचाकर उनमें राज्य की कला और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रयास करेंगे।

बधाईयों का सिलसिला

उनके चयन पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक एम. बालराजु, शिक्षकों और विद्यार्थियों सहित जिला शिक्षा अधिकारी श्रीराममुर्ति तथा आईटीडीए उप निदेशक (जनजातीय कल्याण) ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।

बधम राजन्ना दोरा (बाएँ)।

पट्टों के वितरण के इतिहास में पहली बार जैसा प्रचार, लेकिन पुराने पट्टे ही बांट रही सरकार: केके राजू

वाईएस जगन के कार्यकाल में बड़ी संख्या में गरीबों को पट्टे और आवासीय अधिकार दिए गए थे

विशाखापट्टनम, 20 सितंबर (पेन पांवर): विशाखापट्टनम में गरीबों को आवासीय पट्टे वितरित करने के नाम पर मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और गठबंधन सरकार राजनीतिक प्रचार कर रही हैं। यह आरोप वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के विशाखापट्टनम जिला अध्यक्ष केके राजू ने लगाया।

रविवार को विशाखापट्टनम स्थित वाईएसआरसीपी कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्तन में उन्होंने कहा कि गरीबों को आवासीय अधिकार देने के लिए पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने कई महत्वपूर्ण सरकारी आदेश जारी किए थे।

विशाखापट्टनम में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए वाईएसआरसीपी जिला अध्यक्ष केके राजू।

जगन सरकार के दोरान जारी हुए थे कई सरकारी आदेश

केके राजू ने कहा कि विशाखापट्टनम में दशकों से सरकारी जमीन पर रह रहे गरीबों को स्थावी आवासीय अधिकार देने के लिए वाईएसआरसीपी सरकार ने जीओ 463, जीओ 225 और जीओ 60 जारी किए थे। 100 गज तक के आवासों के लिए नाममात्र शुल्क पर स्थायी अधिकार तथा 101 से 200 गज के लिए 50 प्रतिशत रियायत के साथ कन्वेंस डीड की प्रक्रिया शुरू की गई थी। विशाखापट्टनम और गाजुवाका क्षेत्रों के लिए जीओ 71 और जीओ 301 भी जारी किए गए थे।

जगमन्न संपूर्ण गूंह अधिकार योजना (ओटीएस) के तहत राज्यभर में लगभग 45 लाख लोगों को पंजीकरण कराकर करीब 16 हजार करोड़ रुपये का लाभ गरीब परिवारों तक पहुंचाया गया था।

एक साल पहले शुल्क जमा करने वालों को अब वितरण का आरोप

केके राजू ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के हाथों वितरित किए गए कन्वेंस डीड में वड़ी संख्या ऐसे लाभार्थियों की हैं, जिन्होंने लगभग एक वर्ष पहले ही सरकारी शुल्क जमा कर दिया था। सवाल उठाया कि दस्तावेज पहले से तैयार थे, तो उन्हें अब स्थानीय निकाय चुनावों के करीब ही क्यों वितरित किया जा रहा हैं।

समुद तट पर सफाई कार्यक्रम को बताया 'फिल्म शूटिंग जैसा'

केके राजू ने मुख्यमंत्री के समुद्र तट क्षेत्र में सफाई कार्यक्रम पर आरोप लगाया कि कार्यक्रम से पहले ही सफाई कर दी गई थी और कैमरों के सामने कचरा उठाने का आयोजन किया गया। उन्होंने इसे "फिल्म शुटिंग जैसा कार्यक्रम" बताते हुए कहा कि प्रचारात्मक कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जा रही हैं।

शहर में पेयजल और सफाई व्यवस्था पर सवाल

केके राजू ने कहा कि शहर के कई इलाकों में पेयजल की समस्या और खराब सफाई व्यवस्था से लोग परेशना हैं। पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराए बिना शहर की सफाई व्यवस्था और सड़कें कैसे सुधरेंगी, सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए।

'तल्लिकी वंदनम' के नाम पर साइबर ठगी...!

प्रोसेसिंग फीस के नाम पर पैसे ऐंठने की कोशिश

कोय्यूरु एसआई किशोर वर्मा ने लोगों को किया सतर्क

कोय्यूरू, 20 सितंबर (पेन पांवर): आंध्र प्रदेश की गठबंधन सरकार की 'तल्लिकी वंदनम' योजना के नाम पर साइबर अपराधी लोगों को ठगने की कोशिश कर रहे हैं। कोय्यूरू के सब-इंस्पेक्टर किशोर वर्मा ने आम जनता को सतर्क रहने की चेतावनी दी हैं।

प्रोसेसिंग फीस के नाम पर ठगी

ठग फोन कॉल या व्हाट्सऐप संदेश भेजकर कहते हैं कि योजना की राशि के लिए पहले प्रोसेसिंग फीस, वेरिफिकेशन फीस या सर्विस चार्ज का भुगतान करना होगा।

क्यूआर कोड और संदिग्ध लिंक से सावधान

अनजान व्यक्तियों द्वारा भेजे गए क्यूआर कोड को स्कैन न करें और संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें। अनत मोबाइल ऐप डाउनलोड करने से भी बचों।

ओटीपी, यूपीआई पिन की जानकारी न दें

ओटीपी, यूपीआई पिन, एटीएम पिन, सीवीवी नंबर और बैंक खाता संख्या जैसी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें।

ठगी होने पर 1930 पर करें शिकायत

यदि आप साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं, तो बिना देरी किए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना दें।

विजयवाड़ा मंडल में आरपीएफ स्थापना दिवस समारोह

रकदान, पौधारोपण, यात्री जागरूकता और सामाजिक सेवा कार्यक्रम आयोजित

विजयवाड़ा, 20 सितंबर (पेन पांवर): दक्षिण तट रेलवे के विजयवाड़ा मंडल में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) का स्थापना दिवस 20 सितंबर 2026 को विभिन सामाजिक एवं जनसहभागिता कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर रकदान शिविर, पौधारोपण, योग सत्र, अनाथालां और वृद्धाश्रमों का दौरा, सुरक्षा सम्मेलन और श्रमदान जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन पर यात्रिंयों को जागरूक करते आरपीएफ अधिकारी।

सुरक्षा अभियानों में उल्लेखनीय उपलब्धियां (जनवरी - 19 सितंबर 2026)

यात्रिंयों का चोरी हुआ सामान	104 मामले, 80,16,250 रुपये बरामद, 87 गिरफ्तार
मादक पदार्थ (ऑपरेशन नारकोस)	438 किलो, 2,19,05,250 रुपये, 42 गिरफ्तार
मानव तस्करी (ऑपरेशन एएएचटी)	123 लड़के, 12 लड़कियां बचाए, 42 गिरफ्तार
बच्चों की सहायता (ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते)	63 बच्चे (43 लड़के, 20 लड़कियां)
ट्रेनों पर पत्थरबाजी	18 मामले, 18 गिरफ्तार
कुड़ा फैलाने के मामले	1,779
धूम्रपान के मामले	1,474
जन विक्षास अधिनियम के तहत मामले	7,174 मामले, 56,24,500 रुपये जुर्माना
यात्री जागरूकता शिविर	497

रेल यात्रिंयों की सुरक्षा, सेवा और समाज के प्रति प्रतिबद्ध – आरपीएफ

भारत की राष्ट्रपति ने एनजीटी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित किया

एक सतत, जुझारू और न्यायसंगत भविष्य के लिए प्रतिबद्धताओं को प्रभावी कार्रवाई में बदलने और निरंतर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर जोर

नई दिल्ली, 20 सितंबर (पेन पांवर) :

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज नई दिल्ली में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) के दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'पर्यावरण और जलवायु गतिशीलता का भविष्य' के समापन सत्र को संबोधित किया। समापन सत्र में केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों और विद्युत मंत्री श्री मनोहर लाल; सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना; एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव; और भारत के सॉलिसिटर जनरल श्री तुषार मेहता उपस्थित थे।

अपने मुख्य वक्तव्य में राष्ट्रपति ने पर्यावरण प्रशासन को मजबूत करने में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण की भूमिका की सराहना की और पारंपरिक ज्ञान पर आधारित जन-केंद्रित एवं समुदाय-आधारित अनुकूलन दृष्टिकोणों से जलवायु सुदृढ़ीकरण पर जोर दिया।

नई दिल्ली में एनजीटी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में स्मारिका का विमोचन करते हुए भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु और अन्य गणमान्य अतिथि।

भारत हरित भविष्य के लिए प्रतिबद्ध

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि भारत तीव्र विकास और पर्यावरणीय स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि कुल स्थापित ऊर्जा उत्पादन क्षमता का लगभग 55 प्रतिशत गैर-जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त होता है और भारत ने अपने 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म क्षमता के लक्ष्य को निर्धारित समय से पांच साल पहले ही हासिल कर लिया है। उन्होंने सतत शहरी विकास, जल सुरक्षा, सार्वजनिक परिवहन, हरित गतिशीलता और इलेक्ट्रिक वाहनों की पहलों पर भी प्रकाश डाला तथा सकारात्मक सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया।

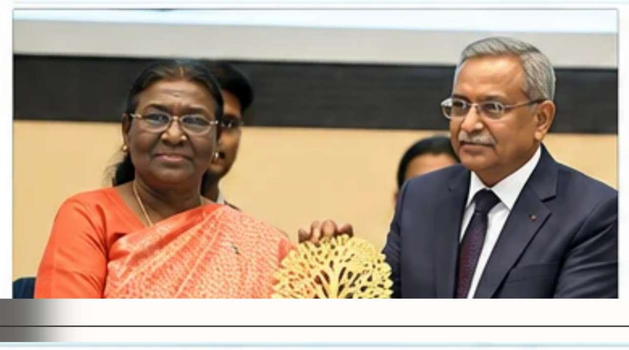

विकास और संरक्षण में संतुलन जरूरी

न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना ने कहा कि पर्यावरण प्रशासन को विकास और संरक्षण, वर्तमान जरूरतों और भविष्य के हितों के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए। उन्होंने विभिन समुद्रायों और पीढ़ियों पर पड़ने वाले प्रभावों को ध्यान में रखने, प्रभावी

कानून, वैज्ञानिक और समाज का संयुक्त प्रयास आवश्यक

सॉलिसिटर जनरल श्री तुषार मेहता ने कहा कि पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए कानून, शासन, विज्ञान, अर्थशास्त्र और समाज के संयुक्त ज्ञान की आवश्यकता है। उन्होंने वैज्ञानिक आकलन, नवाचार और

ग्वालियर में एशिया के पहले दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र के लिए 24 कंपनियों ने ₹5,500 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव: सिंधिया

टीएमजेड से 18,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर की उम्मीद

पेनपांवर, दिल्ली | 20 सितंबर 2026

केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि ग्वालियर में एशिया के पहले दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र (टीएमजेड) की स्थापना के लिए 24 कंपनियों ने ₹5,500 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव दिया है, जिससे 18,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

उन्होंने यह जानकारी ग्वालियर में प्रस्तावित दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र का निरीक्षण करने के बाद दी। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ परियोजना स्थल पर उपलब्ध सुविधाओं, कनेक्टिविटी, आधारभूत संरचना और अन्य तैयारियों की समीक्षा की। सिंधिया ने कहा कि यह परियोजना भारत को वैश्विक दूरसंचार आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत स्थिति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्य तथ्य

- पहले चरण के लिए 170 एकड़ भूमि चिहित
- 24 कंपनियों ने आवेदन प्रक्रिया शुरू की
- ₹500 करोड़ के कॉमन टेस्टिंग लैब पैकेज का प्रस्ताव

ग्वालियर में प्रस्तावित दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र का निरीक्षण करते केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया तथा उनके साथ अन्य अधिकारी।

परियोजना स्थल पर प्रस्तूत नकशे के बारे में जानकारी लेते केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया।

सिंधिया ने बताया कि पहले चरण के लिए 170 एकड़ भूमि चिह्नित की गई है और 24 कंपनियों ने आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन कंपनियों द्वारा कुल ₹5,500 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के तहत ₹500 करोड़ के कॉमन टेस्टिंग लैब पैकेज का भी प्रस्ताव है, जिससे विनिर्माण और गुणवत्ता परीक्षण की क्षमताएं और मजबूत होंगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ग्वालियर में दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र की स्थापना के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर आवश्यक सुविधाएं विकसित कर रही हैं, जिनमें बेहतर कनेक्टिविटी, विश्वस्तरीय आधारभूत

उन्होंने बताया कि इस परियोजना में रूचि रखने वाली और अधिक कंपनियों को आकर्षित करने के लिए 22 सितंबर 2026 को बेंगलुरू में एक रोड शो का आयोजन किया जाएगा, जिसमें उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा की जाएगी।

सिंधिया ने विश्वास व्यक्त किया कि यह दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र भारत में तकनीकी आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदना देगा। उन्होंने कहा कि यह पहल दूरसंचार क्षेत्र में भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को भी मजबूत करेगी।

> "यह परियोजना भारत को वैश्विक दूरसंचार आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत स्थिति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हमारा प्रयास है कि ग्वालियर दूरसंचार विनिर्माण का प्रमुख केंद्र बने और इससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित हों।
>
> **- ज्योतिरादित्य सिंधिया**
> केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री

रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व तक सुलगती दुनिया

तीसरे विश्व युद्ध की आहट!

क्या दुनिया एक बड़े युद्ध की दहलीज़ पर ?

आज दुनिया एक ऐसे खतरनाक मोड़ पर खड़ी है जहां कई क्षेत्रीय युद्ध एक साथ भड़क रहे हैं और एक-दूसरे से जुड़कर वैश्विक शांति के लिए अभूतपूर्व खतरा पैदा कर रहे हैं। सितंबर 2026 तक की भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए, रक्षा विशेषज्ञ और अंतराष्ट्रीय विश्लेषक यह चेतावनी दे रहे हैं कि क्या हम अनजाने में **तीसरे विश्व युद्ध** की ओर बढ़ रहे हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध: हथियारों की कमी और बदलती रणनीतियाँ

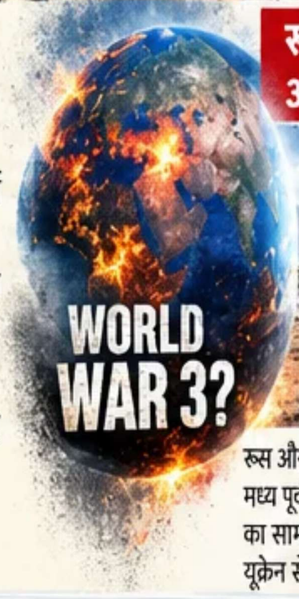

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध अब एक नए चरण में प्रवेश कर चुका हैं। मध्य पूर्व में भड़के नए संघर्षों के कारण रूस को हथियारों की आपूर्ति में कमी का सामना करना पड़ रहा है, जबकि अमेरिका और यूरोप का ध्यान भी यूक्रेन से हटकर मध्य पूर्व की ओर केंद्रित हो गया हैं।

अमेरिका और इज़राइल बनाम ईरान: छद्म युद्ध से सीधे टकराव तक

इजराइल और अमेरिका ने ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर कड़े प्रहार किए हैं। जवाब में ईरान ने खाड़ी देशों और इजराइली शहरों पर बैलिस्टिक मिसाइलों की बारिश की है। 'होर्मुज जलडमरूमध्य' के पास ईरान की गतिविधियों से वैश्विक तेल आपूर्ति पर गहरा संकट खड़ा हो गया है।

सऊदी अरब बनाम हूती (यमन): लाल सागर में गहराता संकट

ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य के पास रणनीतिक इलाकों पर कब्ज़ा कर लिया है। सऊदी अरब ने यमन पर बवाई हमले शुरू कर दिए हैं। लाल सागर में हो रहे लगातार हमलों ने इस क्षेत्र को दुनिया का सबसे खतरनाक समुद्री मार्ग बना दिया है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भारी असर

- तेल की कीमतें आसमान पर
- वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित
- दुनिया भर में भयानक **मुद्रास्फीति**
- खाद्य और ऊर्जा संकट का खतरा

महाशक्तियों का उलझता खेल

अमेरिका सीधे तौर पर मध्य पूर्व में उलझ गया है, जबकि रूस और चीन पर्दे के पीछे से नई रणनीतियाँ बना रहे हैं। यदि पाकिस्तान जैसे परमाणु संपन्न देश भी इस संघर्ष में खींचे गए, तो स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण से बाहर हो सकती है।

परमाणु खतरे की बढ़ती आशंका

कई देशों के पास परमाणु हथियार हैं और बढ़ते तनाव के बीच किसी भी गलत कदम से विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं।

अब भी वक्त है...

"कूटनीति विफल हो रही हैं और सैन्य ताकत का बेतहाश इस्तेमाल हो रहा हैं। यदि संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक नेता तत्काल युद्धविराम और कूटनीतिक समाधान खोजने में विफल रहते हैं, तो दुनिया को एक ऐसे विनाशकारी युद्ध का सामना करना पड़ सकता है, जिसके परिणाम आने वाली कई पीढ़ियों को भुगतने होंगे।"

युद्ध की आग में झुलसती मानवता... शांति ही एकमात्र रास्ता है!

एक सुरक्षित भविष्य के लिए संवाद और शांति जरूरी है

अब इंसानों जैसे रोबोट का युग!

तकनीक का नया कदम मानव जैसी सोच, संवाद और संवेदनशील व्यवहार की ओर

ह्यूमनॉइड रोबोट बदल देंगे हमारी दुनिया: काम, जीवन, अर्थव्यवस्था और समाज का भविष्य

क्या रोबोट हमारी नौकरियां छीन लेंगे?

विशेषज्ञों का कहना है - रोबोट नौकरियां छीनने नहीं, बल्कि नए अवसर पैदा करने आए हैं।

नई दिल्ली, 20 सितंबर 2026 :
दुनिया तेजी से उस भविष्य की ओर बढ़ रही है, जहाँ इंसानों जैसे दिखने और व्यबहार करने वाले ह्यूमनॉइड रोबोट हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), रोबोटिक्स और उन्नत सेंसर तकनीक के मेल से विकसित ये रोबोट अब सिर्फ फिल्मों की कल्पना नहीं, बल्कि वास्तविकता बनते जा रहे हैं। अमेरिका, चीन, जापान सहित कई देश ह्यूमनॉइड रोबोट के विकास में अरबों डॉलर का निवेश कर रहे हैं।

क्या होते हैं ह्यूमनॉइड रोबोट?

ह्यूमनॉइड रोबोट ऐसे रोबोट हैं जो इंसानों जैसी आकृति, चाल-ढ़ाल, हाव-भाव और बातचीत करने की क्षमता रखते हैं। इनमें AI आधारित दिमाग, कैमरे (आंखों की तरह), सेंसर (स्पर्श और ध्वनि पहचान) और जटिल मोटर शिस्टम होते हैं, जो इन्हें इंसानों की तरह काम करने में सक्षम बनाते हैं।

दुनिया की प्रमुख कंपनियां और उनके ह्यूमनॉइड रोबोट

TESLA Optimus	Boston Dynamics Atlas (नई पीढ़ी)	OpenAI Figure 01	HONDA ASIMO (विकास का प्रतीक)	Unitree G1	Sanctuary AI Phoenix
कारखानों और घरों में काम के लिए	अत्यधिक गतिशिलता और कठिन कामों के लिए	मानव जैसी बातचीत और तर्क क्षमता	सेवा, शिक्षा और शोध के लिए	किफायती और बहुउद्देश्यीय ह्यूमनॉइड रोबोट	मानव जैसी संवेदना और सीखने की क्षमता

इन क्षेत्रों में आएगा बड़ा बदलाव

- **उद्योग और मैन्युफैंक्चरिंग** — खतरनाक और दोहराए जाने वाले कामों में सहयोग
- **स्वास्थ्य सेवा** — अस्पतालों में मरीजों की देखभाल और बुजुर्गों की सहायता
- **घरेलू काम** — रसोई, सफाई, बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल
- **शिक्षा और रिसर्च** — स्कूलों में सहायक शिक्षक और बैज्ञानिक प्रयोगों में मदद
- **सेवा क्षेत्र** — होटल, एयरपोर्ट, बैंक, ग्राहक सेवा
- **रक्षा और आपदा बचाव** — दुर्गम क्षेत्रों में राहत और खोज कार्य

चुनौतियाँ भी कम नहीं

- क्या रोबोट इंसानी नौकरियां छीन लेंगे?
- नैतिकता और मानव अधिकार के सवाल
- गलत इंस्तेमाल से सुरक्षा खतरा
- उच्च लागत
- क्या रोबोट इंसानों की भावनाओं को समझ पाएंगे?
- डेटा गोपनीयता और साइबर सुरक्षा की आशंका

विशेषज्ञों की राय

" ह्यूमनॉइड रोबोट मानव सभ्यता के लिए एक बड़ा अवसर हैं, लेकिन इनके जिम्मेदार और नियंत्रित उपयोग के लिए वैश्विक नियमों की आवश्यवस्त्र है। "

— प्रोंद्योगिकी विशेषज्ञ

इंसानों के साथ काम करते रोबोट

घर और ऑफिस में सहयोगी

बुजुर्गों की देखभाल

कारखानों में सटीक काम

होटल और सेवा क्षेत्र में उपयोग

भविष्य की एक झलक

"जहाँ इंसान और रोबोट साथ मिलकर एक बेहतर कल बनाएंगे"

तकनीक का उद्देश्य इंसान की जगह लेना नहीं, बल्कि इंसान की क्षमता को और आगे बढ़ाना है।

एक नई दुनिया की ओर...